BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष अष्टमी मंगलवार विक्रम संवत् 2079। 07 जून 2022

JKDESIGN 8369994118

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

मुख्यमंत्री कल लॉन्च करेंगे बिहार टेक्सटाइल और लेदर पॉलिसी 2022

बिहार बनेगा टेक्सटाइल उद्योग का हब, बांग्लादेश को देगा टक्कर : शाहनवाज

पॉलिटिकलरिपोर्टर | पटना

8 जून को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार टेक्सटाइल और लेदर पॉलिसी 2022 लॉन्च करेंगे। 8 जून को बिहार में टेक्सटाइल और लेदर उद्योगों की स्थापना के लिए नए द्वार खुलेंगे। टेक्सटाइल और लेदर उद्योग के लिए बिहार सबसे अनुकूल डेस्टिनेशन है और बिहार देश का बड़ा टेक्सटाइल हब बनेगा। बांग्लादेश और वियतनाम को अगर टेक्सटाइल प्रक्षेत्र में देश को कड़ी टक्कर देनी है तो बिहार ही दे सकता है। ये बातें बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहीं। सोमवार को बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने 8 जून को होने जा रही बिहार टेक्सटाइल और लेदर पॉलिसी 2022 की लॉचिंग को लेकर जानकारी देने के लिए बुलाई गई प्रेस वार्ता में कही। बता दें बिहार टेक्सटाइल एंड लेदर पॉलिसी 2022 की लॉचिंग 8 जून को पटना के अधिवेशन भवन में सुबह 10.30 बजे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे।

प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए मंत्री शाहनवाज हुसैन।

हमने देश की बेहतरीन पॉलिसी बनाई

बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि बिहार टेक्सटाइल एंड लेदर पॉलिसी 2022 को लेकर बहुत उम्मीदें हैं। पहली बार ऐसा लग रहा है कि देश भर के टेक्सटाइल और लेदर प्रक्षेत्र के लोगों की मंशा बिहार में निवेश की है। हमने देश की बेहतरीन पॉलिसी बनाई है। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के आभारी हैं कि 26 मई 2022 को बिहार टेक्सटाइल और लेदर पॉलिसी 2022 को कैबिनेट से मंजूरी मिली और इसकी लॉन्चिंग के लिए भी उन्होंने स्वीकृति दी है। उद्योग विभाग के प्रधान सचिव संदीप पौन्ड्रिक की मौजूदगी में मीडिया को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि इथेनॉल पॉलिसी के बाद अब टेक्सटाइल और लेदर पॉलिसी बिहार के लोगों के लिए उम्मीद की किरण हैं।

बिहार को टेक्सटाइल और लेदर उद्योग हब बनाना है

उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि इथेनॉल के बाद हमारा पूरा फोकस बिहार को टेक्सटाइल और लेदर उद्योग का हब बनाना है। इसके लिए पॉलिसी के तहत पूंजीगत अनुदान, रोजगार अनुदान, विद्युत अनुदान, फ्रेट अनुदान, पेटेंट अनुदान, कौशल विकास अनुदान समेत कई तरह के प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि ऋण पर ब्याज अनुदान, एसजीएसटी का रिइम्बर्समेंट, स्टाम्प शुल्क में छूट, निबंधन, भूमि सर्पारिवर्तन पर छूट जैसे तमाम प्रावधानों से इस प्रक्षेत्र की कंपनियां बिहार में निवेश के लिए जरूर आकर्षित होंगी। उद्योग मंत्री ने ये भी कहा कि पॉलिसी के जरिए प्रोत्साहित करने के अलावा हम देश भर के उद्योगपतियों को बिहार आने पर रेड कार्पेट वेलकम भी देंगे। उन्होंने कहा कि हम ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर बहुत काम कर रहे हैं।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 07.06.2022 | पृष्ठ सं० 04

1742 करोड़ से बनी गांधी सेतु की पूर्वी लेन और 13585 करोड़ के 15 एनएच प्रोजेक्ट का उद्घाटन-शिलान्यास भी करेंगे गडकरी

महाजाम से मुक्ति का महासेतु

- गांधी सेतु की पूर्वी लेन **आज से होगी चालू**
- 6.63 करोड़ किलो सीमेंट से **बना नया सेतु**

पॉलिटिकल रिपोर्टर | पटना

राज्य की 13585 करोड़ लागत वाली 15 एनएच परियोजनाओं का मंगलवार को सीएम नीतीश की अध्यक्षता में हाजीपुर में आयोजित समारोह में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। राज्य के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन और अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बताया कि गांधी सेतु के जर्जर हो चुके सुपर स्ट्रक्चर को तोड़कर 1742 करोड़ खर्च करके फिर से बड़ी गाड़ियों लायक बना दिया गया है। मंगलवार को सेतु की पूर्वी लेन का उद्घाटन होगा। प्रत्यय अमृत ने बताया कि 1192 करोड़ के लागत से बने 2 लेन वाले छपरा-सिवान-गोपालगंज (94.26 किमी) एनएच का भी उद्घाटन किया जाएगा। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि हाजीपुर-छपरा एनएच का दो दिनों में फिर से टेंडर होगा। 500 करोड़ से बचा काम पूरा कराया जाएगा।

- 08 इंच मोटा कंक्रीट ढाला गया है। ऊपर से डेढ़ इंच तारकोल। इसके ऊपर 1 इंच का मास्टिक है, ताकि पानी पास ना करे।
- इससे पहले किसी पुराने पुल के निर्माण में इतनी स्टील का इस्तेमाल नहीं हुआ है।
- 75000 घनमीटर कंक्रीट को गंगा में गिरने नहीं दिया, इसी को तोड़कर दोबारा पुल के पुनर्निर्माण में इस्तेमाल किया गया।

इन परियोजनाओं का होगा शिलान्यास

लागत	लंबाई	परियोजना
88	11	पटना एम्स से नौबतपुर 2 लेन
1508	70	औरंगाबाद से चोरदाहा 6 लेन
256	04	बेगूसराय शहर 4 लेन फ्लाईओवर
5788	124	मुंगेर-भागलपुर-मिर्जापुर 4 लेन नया
98	09	कायमनगर-आरा शहर 4 लेन
185	03	गोपालगंज शहर 4 लेन फ्लाईओवर
1044	108	भागलपुर-मिर्जापुर-मुंगेर- वर्तमान 2 लेन
1614	89	उमागांव-भेजा 2 लेन सड़क
70	01	जयनगर बाईपास 2 लेन एप्रोच, आरओबी

नोट: लागत-करोड़ रुपए में, लंबाई- किलोमीटर में

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 07.06.2022 | पृष्ठ सं० 01

10 हजार 651 करोड़ की सड़क पुल का काम आज होगा शुरू

- गांधी सेतु की पूर्वी लेन का उद्घाटन करेंगे सीएम-गडकरी
- 2934 करोड़ की परियोजनाओं का भी लोकार्पण होगा

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। बिहार में 10 हजार 651 करोड़ की सड़क व पुल परियोजनाओं का शिलान्यास मंगलवार को होगा। इसके साथ ही इन पर काम शुरू हो जाएगा। गांधी सेतु की पूर्वी लेन का भी उद्घाटन होगा। इसके अलावा 2934 करोड़ की सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण भी होगा। उत्तर व दक्षिण बिहार को जोड़ने वाले गांधी सेतु की पूर्वी लेन (डाउनस्ट्रीम) का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग परिवहन मंत्री नितिन गडकरी करेंगे।

सोमवार को शहर के एक होटल में सूबे के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि नौ परियोजनाओं का शिलान्यास होगा। इनमें एम्स से नौबतपुर दो लेन पेव्ड शोल्डर सड़क का निर्माण भी शामिल है। 11 किमी लंबी इस सड़क की लागत 88 करोड़ है। मुंगेर-भागलपुर-मिर्जाचौकी चार लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के निर्माण का शुभारंभ होगा। 124 किमी लंबी इस सड़क का निर्माण चार पैकेज में होना है। इसकी लागत 5788 करोड़ है। मौजूदा मुंगेर-भागलपुर-मिर्जाचौकी दो लेन की बनेगी। 108 किमी लंबी इस परियोजना पर 1044 करोड़ खर्च होगा। 70 किमी लंबी औरंगाबाद से चोरदाहा छह लेन सड़क परियोजना का शिलान्यास होगा। देखें P 02

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 07.06.2022 | पृष्ठ सं० 01

इतिहास दर्शन • 158 करोड़ से बन रही बिल्डिंग का काम लगभग पूरा, 6 गैलरियों का सौंदर्यीकरण करेंगी तीन कंपनियां

ऑडियो-विजुअल माध्यम से पटना म्यूजियम में इतिहास को नए रूप में देख रोमांचित होंगे दर्शक

सिटी रिपोर्टर | पटना

बिहार म्यूजियम की तरह पटना म्यूजियम में भी नई तकनीक के माध्यम से दर्शकों को बिहार के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराया जाएगा। संग्रहालय में ऑडियो वीडियो के माध्यम से दर्शक इतिहास के अलग-अलग काल को देख सकेंगे। इसके लिए 158 करोड़ की लागत से बन रही बिल्डिंग का काम लगभग पूरा हो चुका है, इसमें छह गैलरियां मौजूद होंगी जिसमें राजेंद्र प्रसाद की जीवनी, पुरानी पेंटिंग के साथ-साथ गंगा किनारे और पाटलिपुत्र में जीवनयापन कैसे होता था, गंगा की कहानी से लेकर पाटलिपुत्र के सामाजिक ताने-बाने को भी देखने का मौका मिलेगा। पटना म्यूजियम के अपर निदेशक डॉ. विमल तिवारी बताते हैं कि सौंदर्यीकरण का काम शुरू होने वाला है। यहां पर 20 हजार कलाकृतियां मौजूद हैं, जिन्हें अलग-अलग गैलरियों में दर्शाया जाएगा।

छह गैलरियों में दिखेगी बिहार के इतिहास की झलक

100

साल का इतिहास इस संग्रहालय में मौजूद है, इतिहास और कला की जानकारी के लिए नहीं होगी गाइड की आवश्यकता।

पटना म्यूजियम में गैलरियों के सौंदर्यीकरण कार्य के लिए तीन कंपनियों को जिम्मेदारी दी गई है। यह कंपनियां इन गैलरियों में नई तकनीक का इस्तेमाल कर इसे आकर्षक बनाएंगी। इसके लिए ट्रोण, सिक्का और बतुल राज एंड मेहता कंपनी को काम सौंपा गया है। बिल्डिंग में छह गैलरी होंगी, जिसमें राजेंद्र प्रसाद के जीवन से जुड़ी चीजें दर्शकों को देखने को मिलेंगी। इसके अलावा पेंटिंग की एक अलग गैलरी होगी जिसमें विभिन्न कलाओं की पेंटिंग देखने को मिलेगी। नेचुरल हिस्ट्री में जानवरों और इंसानों से जुड़ी कई कलाकृतियां होंगी। इसके अलावा एक अन्य गैलरी होगी। आखिर में गंगा और पाटलिपुत्र की गैलरी होगी, जिसमें गंगा के किनारे और पाटलिपुत्र में लोग जीवनयापन कैसे करते थे, यह देखने को मिलेगा। पाटलिपुत्र गैलरी में पटना का इतिहास काफी रोमांचित करेगा।

मौजूद हैं 20 हजार से ज्यादा कलाकृतियां

पटना संग्रहालय के अपर निदेशक डॉ.विमल तिवारी बताते हैं कि इस संग्रहालय में 100 साल का इतिहास मौजूद है। करीब 20 हजार से ज्यादा कलाकृतियां लोगों को देखने को मिलेंगी। इंटरएक्टिव स्क्रीन का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे बच्चों और अन्य दर्शकों को इतिहास को समझने में आसानी होगी। बिल्डिंग को इस तरह से डिजाइन किया जा रहा है, जिससे लोगों को गाइड की आवश्यकता न पड़े। हर कलाकृति के साथ उससे जुड़ी अहम जानकारी शामिल होंगी। इससे दर्शक उस कलाकृति के बारे में जान पाएंगे। इन कलाकृतियों को नए डिस्प्ले के माध्यम से दिखाया जाएगा। पहले एक कलाकृति के पास उससे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां नहीं होती थी, लेकिन सेंकेंडरी सोर्स का इस्तेमाल कर हर कलाकृति को दर्शक समझ सकेंगे। इसके अलावा पुरानी बिल्डिंग का कन्वर्जेंस का काम चलेगा।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 07.06.2022 | पृष्ठ सं० 09

तराशी जाएगी प्रतिभा • बिहार राज्य खेल प्राधिकरण तैयार कर रहा प्रस्ताव, पढ़ाई के साथ मुफ्त मिलेगी स्पोर्ट्स ट्रेनिंग, पटना में रैनबो मैदान में खुलेगा

तीरंदाजी के लिए पटना, गया और आरा में खुलेंगे एकलव्य सेंटर

स्पोर्ट्स रिपोर्टर | पटना

तीरंदाजी में मेडल जीतने की तमन्ना रखने वाले खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर है। पटना के साथ ही गया और आरा में आर्चरी का एकलव्य सेंटर जल्द ही खुलेगा। इसके लिए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण प्रस्ताव तैयार कर रहा है। अभी पुराने खिलाड़ी रहे कोच खुद की व्यवस्था से छोटी जगह में किसी तरह जुगाड़ पर आर्चरी सेंटर चला रहे हैं। प्राधिकरण के डीजी रवींद्रण शंकरण ने बताया कि एकलव्य सेंटर के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। जल्द ही इसे सरकार के पास आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा जाएगा। पटना में पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के ठाएं रैनबो मैदान में सेंटर खोला जाएगा। सेंटर खुलने से वहां खिलाड़ी पढ़ाई के साथ स्पोर्ट्स की ट्रेनिंग ले सकेंगे। रहने-खाने की व्यवस्था भी फ्री होगी। डे स्कूल कम हॉस्टल की सुविधा रहेगी।

होनहार कम नहीं : न ग्राउंड और न ही कोच, देसी तीर-धनुष से ही प्रैक्टिस कर तीन ने नेशनल में जीते मेडल

बच्चों को छोटी जगह में प्रैक्टिस करते देख आया विचार

डीजी ने बताया कि गया के आदर्श कुमार ने आंध्रप्रदेश के चेरीकूलम राजमंद्री में हुई एनटीपीसी मिनी नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप में ब्रांज मेडल जीता है। गया की ही पूनम कुमारी ने भी नेशनल आर्चरी में मेडल जीता है। दोनों गया में जिस जगह प्रैक्टिस करते हैं, वहां की स्थिति देख एकलव्य सेंटर खोलने का विचार आया। फिलहाल वहां के डीएम त्यागराजन साहब के सहयोग से गया टाउन स्कूल के ग्राउंड में आर्चरी के बच्चों को ट्रेनिंग देने की व्यवस्था की गई है। बच्चों को सिखाने वाले कोच जयप्रकाश ने बताया कि 2017 में एक व्यक्ति के खेत में आर्चरी की ट्रेनिंग देनी शुरू की। एक साल बाद उस खेत में ट्रेनिंग भी रोक दी गई। तब जिला खेल पदाधिकारी कार्यालय कंपाउंड में कोचिंग करा रहे हैं। 30-35 बच्चे ट्रेनिंग ले रहे हैं। आर्चरी में हाल ही में तीन खिलाड़ियों ने नेशनल में पदक जीते। पटना की अर्पणा कुमारी ने खेलो इंडिया की आर्चरी चैंपियनशिप में रजत पदक, तो गया के आदर्श और पूनम ने कांस्य पदक जीता। यह पदक इसलिए खास है कि इनके पास इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के तीर-धनुष और प्रैक्टिस ग्राउंड नहीं हैं और न ही उस लेवल के कोच। देसी तीर-धनुष से ही अभी ये खिलाड़ी प्रैक्टिस करते हैं।

ओलंपिक में पदक जीतना चाहता है आदर्श

गया के करीब 10 साल के आदर्श के पिता नहीं है। गरीबी के कारण पढ़ाई रूक गई है। डीजी ने जब उसकी हालत जानी तो प्राधिकरण की ओर से उसके पढ़ने और तीरंदाजी की ट्रेनिंग की सारी व्यवस्था का जिम्मा उठाने का निर्णय लिया। कहा कि उस बच्चे में काफी टैलेंट है और माद्दा भी। जब उससे पूछा गया कि क्या चाहते हो, तो उसने कहा कि पढ़ाई करने के साथ तीरंदाजी में देश के लिए ओलंपिक में पदक जीतना चाहता हूं।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 07.06.2022 | पृष्ठ सं० 01

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	73
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	4
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	5
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,29,71,926
⇒ कम से कम एक डोस	7,07,98,081
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,02,15,393

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

कतर	दक्षिण कोरिया
जापान	हॉंग कॉंग
यू.ए.ई.	सिंगापुर
बहरीन	न्यूजीलैंड
कनाडा	यू.एस.ए.
ऑस्ट्रेलिया	सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई	हैदराबाद	पुणे
चेन्नई	नागपुर	गुजरात
कोलकाता	वाराणसी	गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.